अपनी Skin को हानिकारक कैमिकल्स नहीं
आयुर्वेद की सुरक्षा दें

सिर्फ हल्दी, चंदन ही नहीं "रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम" में है एलोवेरा, द्राक्षा, तुलसी और मुलेठी जैसे अन्य 12 जड़ी बूटियों का अद्वितीय संतुलित मिश्रण, जो आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है।

New Dr. Juneja's
रूप मंत्रा
Ayurvedic Face Cream & Face Washes

Helpful in protection from
Pimples • Dull Skin
Scars • Wrinkles

Clinically Tested

24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com

शादी-समारोह में हो रही बेतहाशा अन्न की बर्बादी

चार महीने में 50 टन भोजन कूड़े में, इतने में भर जाता 1.25 लाख लोगों का पेट, हर सीजन शहर में हो रहीं 12 सौ शादियां

संवाद न्यूज एजेंसी

बस्ती। बारातघर और बैंक्वेट हॉल में इन दिनों सजावट, संगीत और मेहमानों की भीड़ तो है, पर इसी चकाचौंध के पीछे ऐसी कड़वी सच्चाई भी छिपी है, जिसका वास्ता सीधे भूख से है। शादी-ब्याह में इतना भोजन बर्बाद हो रहा है, जिससे सैकड़ों लोगों का पेट भर जाए। हर सीजन में शहर में औसतन 1200 से अधिक शादियां होती हैं।

एक ओर दावतों में डोंगे खाली होते देख मेजबान की सांसें अटक जाती हैं, वहीं दूसरी ओर टेंट के पीछे बीस से ज्यादा डस्टबिन आधे खाए व्यंजनों से भरते जाते हैं। कहीं ठंडी बिरयानी पड़ी है, कहीं अधखाया गुलाब जामुन और सूखती पूरियां। खुशियों की इन रातों के पीछे हर आयोजन में यही सच्चाई दोहराई जा रही है। वहीं, यदि एक भी पूरी कम पड़ जाए तो मेजबान को मुंह छिपाने की नौबत आ जाती है।

सफाई विभाग के मुताबिक इन महीनों में गीले कचरे की मात्रा सामान्य दिनों से 25 प्रतिशत अधिक हो जाती है। यानी, कूड़े के ढेर में सिर्फ फूल-माला या टेंट का सामान नहीं, बल्कि ऐसा भोजन भी शामिल होता है जो कई गरीबों के पेट भर सकता था। समाजशास्त्री डॉ. रघुवर पांडेय बताते हैं, एक औसत शादी में करीब 50 किलो तक खाना बच जाता है, जो लगभग 250 लोगों का पेट भर सकता है।

जिले की सभी शादियों में यह मात्रा जोड़ें तो करीब 50 टन भोजन कचरे में जाता है, जो 1.25 लाख लोगों का पेट भरने के बराबर है। गायत्री मंदिर के परिव्राजक राम प्रसाद त्रिपाठी बताते हैं, हमारी संस्कृति में भोजन को 'अन्न देवता' कहा गया है, लेकिन आज यही अन्न सम्मान की जगह कूड़ेदानों में फेंका जा रहा है।



एक शादी में अन्न की बर्बादी का नमूना। फोटो : जागरूकता पांडेय

जागरूकता और योजना से बदलेगी तस्वीर : सामाजिक कार्यकर्ता भावेश पांडेय कहते हैं, थोड़ी सी सजगता से बड़ी तस्वीर बदली जा सकती है। शादी आयोजकों को यह समझना होगा कि दिखावा और प्रतिस्पर्धा के बीच वे अनजाने में कितना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। यदि प्रत्येक आयोजन में 'फूड रिस्क्यू' की व्यवस्था हो। यानी अतिरिक्त भोजन को एनजीओ या सामाजिक संस्थाओं को सौंप दिया जाए,तो कई भूखे पेटों को अन्न मिल सकता है। यदि इस भोजन को समय पर अलग कर दिया जाए, तो इसे खाद्य उपयोग या ऑर्गेनिक कंपोस्ट में बदला जा सकता है।

दिखावे में हो रही बर्बादी

वर्षों से विवाह समारोहों का प्रबंधन करते आ रहे राजेश कैटर्स बताते हैं, लोग दिखावे के चक्कर में 10 से 15 तरह की सब्जी, कई तरह के पुलाव, तरह-तरह के नाश्ते के व्यंजन रखवाते हैं, जबकि वास्तव में मेहमान दो से तीन डिश ही खाते हैं। बाकी सारा खाना यूं ही फेंक दिया जाता है। कई बार तो पूरा 'लाइव काउंटर' अछूता ही रह जाता है। राजेश ने बताया कि एक मध्यमवर्गीय शादी में औसतन 1 से 1.5 लाख रुपये तक का भोजन कूड़े में चला जाता है, जिसे बचाया जा सकता है अगर खोजना सही बने।

शादी घरों में नहीं है बचा भोजन संग्रह की व्यवस्था

नगर पालिका के सफाई निरीक्षक राजाराम, वसीम कहते हैं, शहर के अधिकांश बारातघरों और टेंट हाउसों में बचे हुए भोजन को संग्रहित करने या वितरित करने की कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं है। सफाई कर्मी सुबह जब कचरा उठाते हैं तो बड़ी मात्रा में गीला भोजन मिलता है। इसे सीधे डंपिंग ग्राउंड भेज दिया जाता है। उन्होंने माना कि कई बार भोजन इतना अधिक होता है कि डंपिंग ट्रक तक भर जाते हैं। अगर सामाजिक संगठन या एनजीओ आगे आएं तो इस भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है।

निर्माणाधीन नालों की गुणवत्ता जांचेगी टीम

बस्ती। नगर पालिका परिषद बस्ती में विभिन्न मोहल्लों और गलियों से लेकर मुख्य मार्ग पर निर्माणाधीन नाले की गुणवत्ता जांच के लिए कमेटी बनी है। यह कमेटी मौके पर जाएगी और गुणवत्ता परखेगी।

ईओ अंगद गुप्ता ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की है। टीम को 15 दिन के अंदर नाले की गुणवत्ता की जांच कर रिपोर्ट देनी होगी। उसके बाद नाला निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाएगा। ईओ ने बताया कि नाला निर्माण में मानकों की अनदेखी नहीं होगी। अगर जांच में गुणवत्ता ठीक नहीं मिली तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई होगी।

ईओ ने तीन सदस्यीय टीम गठित की

शहर के दक्षिण दरवाजा के पास चिकवा टोला के साथ कुछ अन्य जगहों पर डेढ़ साल पहले नाला निर्माण शुरू हुआ था। पहली किस्त खत्म होते ही निर्माण कार्य अधर में लटक गया। शासन के पत्राचार के बाद दूसरी किस्त के रूप में 1.48 करोड़ की रुपये धनराशि मिल गई है। संवाद

टोल प्लाजा...दगा दे रहा फास्टैग सिस्टम, लग रही वाहनों की कतार

स्कैन नहीं हो पाता फास्टैग, ऑनलाइन टोल जमा न होने से होती है समस्या

संवाद न्यूज एजेंसी

बस्ती। बस्ती-अयोध्या फोरलेन हाईवे पर स्थित दो टोल प्लाजा पर अक्सर फास्टैग सिस्टम फेल हो जा रहा है। कभी सर्वर डाउन तो कभी नो- नेटवर्क की समस्या आ रही है। इससे वाहनों पर लगे फास्टैग का चार कोड टोल प्लाजा पर उपलब्ध कैमरों से सैस यंत्र स्कैन नहीं कर पाते हैं। इससे ऑनलाइन टोल नहीं जमा हो पा रहा है। इस चक्कर में गाड़ियों की लंबी कतार लग रही है।

वाहन चालकों का कहना है कि फास्टैग लगी गाड़ियों को तत्काल निकालने का प्रावधान है। यदि सिस्टम खराब है तो इसकी जिम्मेदारी टोल प्लाजा प्रबंधन की है। लेकिन, टोल कर्मचारी मनमाना आचरण करके वाहनों को नहीं निकालने देते हैं। छावनी क्षेत्र के चौकड़ी टोल प्लाजा पर अक्सर यह समस्या आ रही है। यहां बस्ती से अयोध्या मार्ग पर तीन और अयोध्या से बस्ती मार्ग पर तीन समेत छह टोल ट्रैक बनाए गए हैं।

बताया जा रहा है कि एक से दो ट्रैक पर फास्टैग सिस्टम में अक्सर खराबी आ रही है। जिससे संबंधित ट्रैक बंद करना पड़ रहा है। वाहनों के आवागमन का दबाव अधिक होने से एक या दो ट्रैक से गाड़ियों को निकालने में समय लग रहा है।

बस चालक रमेश कुमार बताते हैं कि फास्टैग लगने के बाद भी 15 मिनट से लेकर आधे घंटे तक टोल प्लाजा पर खड़ा रहना पड़ रहा है। यहां एक- दो ट्रैक के सिस्टम में अक्सर खराबी रहती है। इसमें वाहन लेकर पहुंचने पर टोल कर्मी वापस जाने को कहते हैं। इस वजह से जाम भी लग रहा है और चिल्लर भी हो रहा है।

कार सवार प्रद्युम्न तिवारी कहते हैं कि फास्टैग लगी गाड़ियों को टोल प्लाजा पर तत्काल निकालने का प्रावधान है। यदि सिस्टम खराब है तो टोल प्लाजा प्रबंधन की जिम्मेदारी बनती है। वाहनों को रोकने के बजाय निकालते रहना चाहिए। लेकिन, यहां मनमानी देखने को मिलती है। टोल कर्मी दूसरे ट्रैक में गाड़ी घुमाकर लाने को कहते हैं। इस वजह से जाम लग जाता है। यात्रियों का समय भी बर्बाद होता है।

चार दिन बाद बदलेगा नियम : 15 नवंबर से लागू होने जा रहे नए नियमों के अनुसार, बिना फास्टैग वाली गाड़ियों के लिए टोल भुगतान का नियम बदल जाएगा। 15 के बाद यूपीआई से भुगतान करने पर सिर्फ 1.25 गुना टोल देना होगा, जबकि नगद भुगतान पर दोगुना टोल देना होगा।



फोरलेन पर चौकड़ी टोल प्लाजा पर लगी वाहनों की कतार। संवाद

मड़वानगर टोल प्लाजा पर भी लगता है जाम

कोतवाली क्षेत्र के मड़वानगर टोल प्लाजा पर भी जाम लगता है। यहां भी फास्टैग सिस्टम से टोल वसूली में अक्सर समस्या आ जाती है। जिससे वाहनों को देर तक फंसे रहना पड़ता है। इसको लेकर कभी- कभी हाईवे के यात्रियों की टोल कर्मियों से कहासुनी भी हो जाती है। लोग रूट की ट्रकों और बसों की लंबी कतार लग रही है। कार सवार भी नहीं निकल पा रहे हैं। हाईवे के खाड़ी रजनीश कुमार कहते हैं कि फास्टैग लगवाने का कोई मतलब नहीं सिद्ध हो रहा है। टोल प्लाजा का सिस्टम ठीक न होने से इसका खमियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। अनायास हमें टोल पर खड़ा होकर अपना समय गंवाना पड़ता है। टोल कर्मचारी बिना टोल वसूली के बैरियर ही नहीं खोलते हैं। उन्हें यात्रियों की सुविधा से कोई लेना देना नहीं है।

ये होनी चाहिए सुविधाएं

फास्टैग लगे वाहनों को ट्रैक पर दस सेकेंड से अधिक नहीं रोका जा सकता है। टोल प्लाजा पर यात्री सुविधा के लिए निशुल्क शौचालय, पेयजल, वाहनों में हवा भरने की मशीन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। यात्रियों के बैठने आदि के लिए सुसज्जित शेड का निर्माण भी आवश्यक है।

पेयजल और शौचालय की व्यवस्था नदारद

हाईवे के दोनों टोल प्लाजा पर यात्री सुविधाएं नदारद हैं। यहां पेयजल और शौचालय तक की व्यवस्था नहीं है। छावनी के चौकड़ी में तो शौचालय में गंदगी की भरमार है। मड़वानगर में शौचालय की नियमित देखरेख न होने से यह बंद होने के कगार पर है। पुरुष खुले में शौच करने के लिए मजबूर हैं। वहीं सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को हो रही है। पेयजल की व्यवस्था भी नदारद है। जानकार बताते हैं कि टोल प्लाजा के आसपास निजी ढाबा चलाने वालों की सेटिंग की वजह से जिम्मेदार यह दोनों व्यवस्था चालू रखने से परहेज करते हैं। इस वजह से यात्री निजी ढाबों का सहारा ले रहे हैं। पानी खरीदने और शौच के लिए पहुंचने वाले यात्रियों से उनकी अच्छी खासी बिक्री हो रही है।

यहां टोल टैक्स वसूली में कोई समस्या नहीं आ रही है। जब ट्रैक में यूपी 51 (लोकल वाहन) प्रवेश करते हैं तो उनकी आईडी या नंबर स्कैन करने में थोड़ी समस्या आती है। इस वजह से कभी-कभार उनके पीछे लाइन में लगे अन्य फास्टैग वाले वाहनों को निकलने में देरी हो जाती है। -राकेश यादव, प्रबंधक, टोल प्लाजा, चौकड़ी।

आड़े-तिरछे नाले और गुणवत्ता पर उठे सवाल

संवाद न्यूज एजेंसी

बस्ती। कंपनीबाग-बड़ेवन फोरलेन निर्माण में अधूरा नाला अब सांसत बन गया है। कंपनीबाग पर आड़ा-तिरछा नाला बनाया जा रहा है। इससे जलनिकासी की समस्या भी आ रही है। वहीं नाला की गुणवत्ता में भी कमी बताई जा रही है।

लोगों ने बताया कि बनाए जा रहे नाले की ऊंचाई और खराब ईंट और सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। पुराने वाले नाले पर ही वैसे ही उसकी ऊंचाई चढ़ा रहे हैं। इससे ढहने का खतरा है। चूंकि मजबूती न के बराबर है। अभी अधिकांश जगहों पर नाला कार्य अधूरा है। इससे परेशानी है। बताया गया कि 1.750 किमी. की लंबी इस फोरलेन सड़क पर 16.50 करोड़ से अधिक खर्च हो रहे हैं। लेकिन लेटलतीफी के चलते परियोजना अटकी हुई है।

बता दें कि शहर के कंपनीबाग-बड़ेवन फोरलेन सड़क निर्माण कार्य



कंपनीबाग में बन रहा नाला। संवाद

जगह के अनुसार ही नाले का निर्माण हो रहा है। जल्द ही अधूरे कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। नाला निर्माण की गुणवत्ता देखने को लेकर जेई को निर्देशित किया जाएगा। कार्य ठीक नहीं पाए जाने पर कार्रवाई होगी। -अवधेश कुमार, एक्साईएन पीडब्ल्यूडी, निर्माण खंड-वन

वैसे तो पूर्ण है, लेकिन अधूरे कार्य को जल्द पूरा करने में कमी जुट गए हैं।

आज के कार्यक्रम

- रामलीला : सर्वसैरिया इंटर कॉलेज में रामलीला का मंचन शाम पांच बजे से।
- बीज वितरण : जिले के सभी राजकीय बीज गोदामों पर रबी फसलों का बीज वितरण सुबह नौ बजे से।
- श्रीमद्भगवत कथा: बहादुरपुर ब्लॉक के नरायनपुर बछई पुरवा में श्रीमद्भगवत कथा दोपहर दो बजे से।
- कार्यक्रम: जनजातीय गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम दोपहर एक बजे से।

काम की बात

- 33/11 केवी बिजली उपकेंद्र दुबौला के गनेशपुर फीडर के अधीन संचालित ट्रांसफार्मरों पर मेंटनेंस कार्य के चलते सुबह नौ बजे से 11 बजे तक बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी।

आप भी भेज सकते हैं अपने क्षेत्र की ऐसी किसी समस्या की जानकारी जो लोकहित से जुड़ी हो और जिसकी सुनवाई न हो रही हो।

gkp-dakincharge@gkp.amarujala.com

व्हाट्सएप - 9368724164

सख्ती : 72 लाउडस्पीकर हटवाए, 55 की कम कराई गई आवाज

बस्ती। जनपद के सभी थानों द्वारा धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे मानक से अधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकरों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 122 स्थानों की जांच की। जांच में 55 मंदिर, मस्जिद और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि मानक से अधिक लाउडस्पीकर पाए गए, जिनकी आवाज तत्काल कम कराई गई। वहीं 72 लाउडस्पीकर आपसी सहमति से हटवाए गए। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लाउडस्पीकर संचालकों को चेतावनी दी कि ध्वनि मानक का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी को निर्देश दिए गया कि यदि लाउडस्पीकर लगाना आवश्यक है तो उसे मानक ध्वनि सीमा के भीतर ही संचालित किया जाए। पुलिस अभीक्षक अभिनंदन ने बताया कि यह अभियान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। संवाद

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)

बिक्री हेतु ई-नीलामी सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

आंचलिक कार्यालय : शिवा पैलेस, देवकाली, बाईपास क्रासिंग, अयोध्या - 224001
ई-मेल : zoayodhya.rec@ucobank.co.in

(चल एवं अचल सम्पत्तियों के लिए बिक्री सूचना, परिशिष्ट-IV- [नियम 6(2) एवं 8(6) के प्रावधान को देखें])

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 सपठित प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 6(2) एवं 8(6) एवं नियम 9 के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्तियों के बिक्री के लिए ई—नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा जनसाधारण एवं ऋणी तथा जमानतकर्ता के विशेष रुप से यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित चल एवं अचल सम्पत्ति / कंपत्र / प्रभार मुक्त सम्पत्ति को जिसे यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जे में लिया गया है, को बैंक के बकाया वसूली के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 'जो है जहाँ है' एवं 'जो कुछ भी है' के आधार पर बिक्री का प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। ऋणी/जमानतकर्ता/प्रतिभूति आस्ति/देय/आरक्षित मूल्य/ई—नीलामी का तिथि एवं समय, धरोहर राशि (EMD) एवं बिड बढ़ोतरी राशि का विवरण निम्नलिखित है।

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : 28.11.2025, 12.00 बजे से 05.00 बजे तक | धरोहर राशि/बिड इन्क्रीमेंट जमा करने की अंतिम तिथि : 27.11.2025 (सायं 4.30 बजे तक)

क्र. सं.	शाखा का नाम ऋणी का नाम व बन्धककर्ता का नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण	बकाया राशि	रिजर्व नीलामी मोटिव तिथि/ जब्ती की तारीख/ वास्तविक/प्रतिकात्मक	आरक्षित मूल्य/ अंतिम मूल्य/ बिड बढ़ोतरी राशि
शाखा-भीटी राउत (singha@ucobank.co.in)					
2.	जमाराकर्ता— मैसर्स पी.के.डी. ब्रिक्स कॉरपो. प्रो. श्री अमरीश कुमार तिवारी पुत्र—श्री दयानंद तिवारी निवासी—पा. व पो.—माल गंज रोड—खजनी, गोरखपुर—273212 जमानतकर्ता — श्री दयानंद तिवारी पुत्र श्री नाताबदल तिवारी निवासी—पा. व पो —श्यामीगंज तह.—खजनी, गोरखपुर — 273212	सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड स्थित, अवस्थित सपत्ति ग्राम—रामीपुर, परगना—हरनहपुर सगहर एम्पा—बाजूही, तहसील खजनी, जिला— गोरखपुर, जमीन श्री दयानंद तिवारी पुत्र स्व. बदल तिवारी के नाम पर दिनांक 26—08—1977 को पंजीकृत, फर्दि/ खसरा / अराजी नं. 131 मि. क्षेत्रफल—0.037 विसिमल या 0.149 हेक्टेयर, बही नं.—1, जिल्द नं.— 1703, पेज नंबर 453 से 500, सीरियल नंबर 5680 / 12.09.1977, सब रजिस्ट्रार ऑफिस—खजनी गोरखपुर (खंड) । चौहद्दी: पूर्व—प्रतिवर्तीपथ, पश्चिम—चकरोड उत्तर—दुल्य सड़क, दक्षिण—श्री दुर्गेश व अन्य की भूमि ।	₹ 10,08,715.73 लाख 26.05.2022 का ब्याज, खर्च व अन्य खर्च	12.10.2022 16.02.2023 प्रतीकात्मक	88.96 लाख 8.896 लाख 0.50 लाख
शाखा-खस्ती (bastiv@ucobank.co.in)					
4.	जमाराकर्ता: (1) श्री इकबाल अहमद पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी— ग्राम बेलघाट टप्पा, गौर परगना खस्ती, तहसील हरैया, जनपद बस्ती उ.प्र. 272155 (2) श्रीमती जैबुन निशा पत्नी श्री इकबाल अहमद निवासी— ग्राम बेलघाट टप्पा, गौर परगना बस्ती, तहसील हरैया, जनपद बस्ती उ.प्र. 272155 जमानतकर्ता— (1) निसार अहमद निवासी— ग्राम बेलघाट टप्पा, गौर परगना बस्ती, तहसील हरैया, जनपद बस्ती उ.प्र. 272155 (2) श्रीमती नजमा खातून पत्नी निसार अहमद निवासी— ग्राम बेलघाट टप्पा, गौर परगना बस्ती, तहसील हरैया, जनपद बस्ती, उ.प्र. 272155	संपत्ति का समस्त भाग खंडि पर्टि संख्या — 485, मौजा बेलघाट, टप्पा गौर, थाना— पैकोलिया, क्षेत्रफल 316.42 वर्गमीटर में स्थित है, निम्नलिखित सीमाओं के नाम पर है:— (1) श्री इकबाल अहमद पुत्र, पिता श्री अब्दुल रज्जाक (2) श्रीमती नजमा खातून, पत्नी श्री निसार अहमद, निवासी विवरण— (1) बिक्री विलेख दिनांक 19.11.2012, बहि संख्या 1, जिल्द संख्या 3257, पृष्ठ संख्या 165 से 182, क्रमांक 6086 (2) बिक्री विलेख दिनांक 24.12.2014, बहि संख्या 1, जिल्द संख्या 3990, पृष्ठ संख्या 347 से 436, क्रमांक 10122 चौहद्दी: उत्तर—रास्तेकी की भूमि, दक्षिण—रोजवेल घाट महदेवा सपर्क मार्ग (10 फीट चौड़ी), पूर्व—राजेन्द्र प्रसाद आदि की भूमि, पश्चिम— सफिया की भूमि	₹ 13.00 लाख दिनांक 20.12.2021 का ब्याज, खर्च व अन्य खर्च	20.12.2021 27.05.2022 प्रतीकात्मक	16.94 लाख 1.694 लाख 0.50 लाख
शाखा-कैम्पियरगंज (capierganj@ucobank.co.in)					
5.	जमाराकर्ता: स्व. रामकरण यादव पुत्र बदी (मृतक) जमानतकर्ता : स्व. राम नारायण यादव पुत्र बदी (मृतक) उत्तराधिकारी (1) श्री राजेन्द्रयादव पुत्र स्व. राम करन यादव उत्तराधिकारी (2) रेनू यादव पुत्री स्व. राम करन यादव उत्तराधिकारी (3) श्री राजेन्द्र यादव पुत्र स्व. राम नारायण यादव उत्तराधिकारी (4) उमा यादव पुत्र स्व. राम नारायण यादव उत्तराधिकारी (5) विपिन यादव पुत्र स्व. राम नारायण यादव उत्तराधिकारी (6) सोनी यादव पुत्री स्व. राम नारायण यादव	संपत्ति नंबर —567 राज बेयरी पुलवकीस, टप्पा—बरहज परसना—धुरियापार तहसील—सोहग जिला—गोरखपुर उत्तर प्रदेश नाम श्री राम नगीना यादव पुत्र स्वर्गीय श्री बदी और श्री राम करन यादव पुत्र स्वर्गीय श्री बदी सब क्षेत्र 202.5 वर्गमीटर (2179.71 वर्ग फुट) बिक्रेय संख्या—1568 दिनांक 20—09—1993, 03—12—1998 उप पंजीयक उत्पालना गोला जिला गोरखपुर, चौहद्दी: पूर्व—राम सकर और उमा शंकर की भूमि पश्चिम—यादवी देवी की भूमि उत्तर—भानु प्रताप और राम जतन की भूमि दक्षिण—सीता राम और राजा राम की भूमि	₹ 7,32,195.35 लाख + दिनांक 31.03.2023 से ब्याज, व्यय व अन्य खर्च	04.11.2016 05.05.2016 सांकेतिक	20.36 लाख 2.036 लाख 0.50 लाख

नोट : सरफेसी प्रतिनियम के नियम 6(2) एवं 8(6) के सहत खातेदारक एवं जमानतकर्ता को 15 दिनों की वैधानिक सूचना। बिक्री के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए निम्नलिखित वेबसाइट का अवलोकन करें - https://www.ucobank.com, https://ibanknet.com इच्छुक बोलीकर्ता प्राधिकृत अधिकारी के मोबाइल नं.: 9565363596, एवं ई-मेल : zoayodhya.rec@ucobank.co.in पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट - यूकोलाभ नोटिस नियम 6, 8 व 9 के अंतर्गत बिक्री के लिए 15 दिवसीय नोटिस भी समझा जाये

दिनांक : 10.11.2025 | स्थान - अयोध्या | प्राधिकृत अधिकारी-यूको बैंक

दिल्ली में धमाके के बाद अलर्ट

अमर उजाला ब्यूरो

बस्ती। दिल्ली के लाल किला के मेट्रो स्टेशन के पास कार में धमाके के बाद जिले में अलर्ट है। बस्ती रेलवे स्टेशन पर सतर्कता बढ़ा दी गई। सोमवार की देर शाम आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर भी संदिग्धों की तलाशी ली गई।

चेकिंग अभियान देखकर रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्री चौकन्ना हो गए। उधर, जिले के संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस नजर बनाए हुए है।

चेकिंग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर के बाहर भी चलाया गया। स्टेशन के बाहर मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद उन्हें भगा दिया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर गिर्जा बेग ने बताया कि दिल्ली धमाके के बाद रेलवे स्टेशन पर सतर्कता बढ़ा दी गई। देर रात कमिश्नर अखिलेश सिंह, डीआईजी संजीव त्यागी, डीएम कृतिका ज्योत्सना और एसपी अभिनंदन ने निरीक्षण किया।



पुरानी बस्ती क्षेत्र में जांच करती पुलिस। फोटो- पुलिस

सेहत

सुबह-शाम ठंड बढ़ने से मेडिसिन विभाग में रोजाना पहुंच रहे गले में खराश व खांसी के दो सौ से अधिक मरीज

सर्द मौसम में लापरवाही से बीमार पड़ रहे बच्चे और बुजुर्ग

संवाद न्यूज एजेंसी

बस्ती। लगातार ठंडे हो रहे मौसम में लोग लापरवाही के कारण बीमारी का शिकार हो रहे हैं। सुबह-शाम गर्म कपड़ों से परहेज के कारण बच्चे और बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं। जिला अस्पताल में रोजाना 100 से 150 मरीज बुखार, खांसी, जुकाम और गले में खराश के आ रहे हैं।

नवंबर माह की शुरुआत से ही मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। सुबह-शाम की सर्दी और दिन में तेज धूप लोगों को बीमार कर रही है। सुबह घर से निकलने वाले लोग गर्म कपड़ों से परहेज कर रहे हैं। वहीं रात को सर्द मौसम भी उन्हें अपनी चपेट में लेकर बीमार कर रहा है। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक बुखार, खांसी, जुकाम और गले की खराश से परेशान हैं। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रामजी सोनी ने बताया कि दिन रोजाना मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पताल खुलने से पहले ही मरीज ओपीडी कक्ष के बाहर लाइन में खड़े हो जाते हैं। मरीजों की लाइन दो बजे के बाद भी लगी रहती है।

एसआईसी जिला अस्पताल डॉ. खालिद रिजवान अहमद ने बताया कि रोजाना तीन बजे तक चिकित्सक मरीज का उपचार कर रहे हैं। इसके लिए दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। दवा और जांच प्राथमिकता पर कराई जा रही है। वहीं, ईएनटी सर्जन कक्ष के बाद भी मरीजों को लाइन में खड़े देखा गया। इसके लिए मरीज खड़े दिखे। ईएनटी सर्जन डॉ. एसएस कन्नौजिया ने बताया कि मौसम में ठंड-गर्म के चलते गले में संक्रमण हो रहा है। ठंडी चीजें खाने से परहेज करें और गर्म पानी से गरारा करते रहें। चिकित्सीय परामर्श के अनुसार ही दवा खाएं।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पीएस पटेल ने बताया कि लोग लापरवाही के कारण सर्दी का शिकार होकर बीमार हो रहे हैं। सुबह घर से निकलते समय खूब गर्म कपड़े नहीं पहनते हैं और रात को जब घर लौटते हैं तो सर्द हवा उन्हें अपनी चपेट में ले लेती है। बच्चों को नंगे पांव फर्श पर न खेलने दें। गर्म कपड़े पहनाकर रखें। इसमें लापरवाही बच्चों को बीमार बना देगी।



जिला अस्पताल की ओपीडी में परामर्श के लिए इंतजार करते मरीज। संवाद

वर्तमान में मौसम संबंधी उपजी बीमारियों की चपेट में आने वाले मरीज ही आ रहे। उनको जांच कराई जा रही है। दवा पर्याप्त है। मरीजों के प्रति व्यवहार अच्छा रखें इसके लिए डॉक्टरों और कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। - डॉ. खालिद रिजवान अहमद, एसआईसी जिला अस्पताल, बस्ती।